भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1658
उत्तर देने की तारीख: 02.03.2020

जीवन कौशल पाठ्यक्रम

†1658. श्रीमती सुमलता अम्बरीशः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अवर-स्नातक विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने प्रस्तावित कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) प्रस्तावित कार्यक्रम के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) & (ख): विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अवर स्नातक विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल पाठ्यचर्या विकसित की है। यह पाठ्यचर्या सम्प्रेषण कौशल, व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व और प्रबंधन कौशल और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर पाठ्यक्रमों को समाविष्ट करती है। जीवन कौशल पाठ्यचर्या https://www.ugc.ac.in/e-book/SKILL%20ENG/mobile/index.html पर उपलब्ध है।

(ग) & (घ): जीवन कौशल पाठ्यक्रम सांकेतिक है। यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों / संस्थानों में अवर-स्नातक स्तर पर शुरू करने हेतु विचार करने का अनुरोध किया है।

(ङ): जीवन कौशल पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं:

(i) सभी आशंकाओं और असुरक्षाओं को दूर करने और अंदर और बाहर से पूरी तरह से विकसित करने के लिए स्वयं की मदद करके स्वयं को पूरी तरह से जागरूक होने की क्षमता को बढ़ाना;

(ii) अध्ययन / कार्य के स्थान पर भावनात्मक योग्यता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के ज्ञान और जागरूकता को बढ़ाना;

(iii) व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से स्वयं की क्षमता को साकार करने का अवसर प्रदान करना;

(iv) स्वयं को और दूसरों के सशक्तिकरण के लिए पारस्परिक कौशल विकसित करना और अच्छे नेतृत्व व्यवहार को अपनाना;

(v) उपयुक्त लक्ष्य निर्धारित करना, तनाव और समय को प्रभावी रूप से प्रबंधित करना;

(vi) नैतिकता के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सभी स्तरों पर योग्यता मिश्रण का प्रबंधन करना।

*****